DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-2 ,UNIT-8,
PREVENTION OF ILLNESSES
LECTURE-75

(2) गौण(द्वितीयक) रोक – थाम (SECONDARY PREVENTION)

गौण रोक –थाम से तात्पर्य वैसे रोक – थाम से होता है जिसमें मानसिक समस्याओं की पहचान प्रारंभिक अवस्था में ही कर लिया जाता है तथा उसका उपचार उसी अवस्था में करके आगे बढने से उसे रोक दिया जाता है |इस तरह की रोक – थाम की एक महत्वपूर्ण पूर्व कल्पना यह है कि प्रारंभिक समस्याएँ कुछ आरंभिक लक्षणों के आधार पर पहचानी जा सकती है और यदि उस समय ही इनके साथ हस्तक्षेप किया जाये तो इसकी गंभीरता को भविष्य में बढने से रोक जा सकता है |गौण रोक – थाम की सार्थकता कई अध्ययनों जैसे कप्लान (1961), सेनफोड (1965)ग्लास (1963) आइसेनवर्ग (1962) तथा फेयर्स (1984) द्वारा पुष्टि की गयी है |

गौण रोक – थाम कार्यक्रम की दो प्रमुख विशेषताएँ होती है –

(i) गौण रोक – थाम में वैसे सभी व्यक्तियों की जाँच व्यक्तित्व परीक्षाण जैसे M M P I या अन्य इसी तरह के परिक्षणों के आधार पर किया जाता है जिसमें उस समय किसी भी तरह के स्पष्ट लक्षण नहीं दीखते है |

(ii) फिर ऐसे व्यक्तियों को उचित नैदानिक सेवाएँ प्रदान की जाती है |

स्कूल में गौण रोक – थाम कार्यक्रम की सफलता के कई सबूत मिले है |स्कुल में बच्चों की समस्याओं को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान करने उसे दूर करने के सफल प्रयास किये गये है |इस सिलसिले में कई मनोवैज्ञानिकों द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किये गये है |स्कुल में गौण रोक – थाम कार्यक्रम के तरह शिक्षकों को बालकों की समस्याओं को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाता है |इस कार्यक्रम के तरह कभी – कभी माता – पिता या अभिभावकों का साक्षात्कार भी लिया जाता है |

ऊपर के वर्णन से स्पष्ट है कि गौण रोक – थाम के दो पहलु होते है –जाँच पड़ताल का कार्य तथा उसके बाद संभाव्य समस्याओं को दूर करने के लिए किया गया उपचार हस्तक्षेप

(TREATMENT INTERVENTION) |समाज मनोवैज्ञानिकों तथा सामुदायिक मनोवैज्ञानिकों दोनों का ही मत है कि जाँच –पड़ताल का काम कितना भी उत्तम ढंग से क्यों न किया गया हो ,यदि उसके बाद उचित उपचार हस्तक्षेप नही किया गया ,तो सफलता प्राप्त नहीं हो पाती है |इसलिय यह आवश्यक है कि प्रभावित लोग उचित उपचार हस्तक्षेप प्राप्त करें |उसके लिए गौण रोक – थाम में तीन संबध्द उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए जन – सुचना कार्यक्रम चलाये जाते है –

(I)सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ को मानसिक समस्याओं के प्रारंभिक अवस्था के लक्षणों के बारे में लोगो को बतला देना चाहिए |

(II)ऐसे विशेषज्ञों को इन समस्याओं को दूर करने के साधनों के बारे में बतला देना चाहिए |ऐसे साधन कब ,कहाँ और कितनी कीमत पर उपलब्ध है ,के बारे में लोगों की सुचना दे देनी चाहिए |

(III)ऐसे विशेषज्ञों को उन पूर्व धारणाओं या पूर्वाग्रहों से लड़ना चाहिए जिसके कारण प्रभावित लोगो में अपनी समस्याओं के निवारण के लिए किसी विशेषज्ञ की सहायता लेने में हिचकिचाहट होती है |

कई अध्ययनों के आधार पर यह साबित हो गया है कि यदि उपचार हस्तक्षेप सफलतापूर्वक पूरा कर लिया जाता है ,तो गौण रोक – थाम का कार्यक्रम भी सफल हो जाता है |